अब 4-लेन होगी भोपाल-विदिशा सड़क

1757.55

करोड़ रुपए होगी परियोजना की लागत

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 अगस्त. राजधानी से लगे विदिशा शहर के साथ अब भोपाल की बेहतर रोड कनेक्टिविटी होगी. इसके लिए भोपाल-विदिशा टू लेन को अब 4 लेन में तब्दील किया जाएगा.

लोक निर्माण विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया है, जिसे मंगलवार 11 अगस्त को होने वाली कैबिनेट में निर्णय के लिए पेश किया जाएगा. इस परियोजना की लागत 1757 करोड़ 55 लाख रुपए होगी, इसे हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर विकसित किया जाएगा. इसके तहत 44.83 किलोमीटर लंबे वर्तमान 2-लेन सड़क को पेव्ड शोल्डर सहित 4-लेन में अपग्रेड किया जाएगा. कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद परियोजना के क्रियान्वयन में तेजी आएगी. यह सड़क भोपाल के अयोध्या बायपास स्थित भानपुर टी-जंक्शन से शुरू होकर सूखी सेवनिया, दीवानगंज और सलामतपुर होते हुए एनएच-146 के सांची-सलामतपुर जंक्शन तक जाता है. यह भोपाल, रायसेन और विदिशा जिलों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्रीय सड़क है. मार्ग पर वर्तमान यातायात लगभग 10,975 पैसेंजर कार यूनिट है, जो 4-लेन सड़क के लिए निर्धारित 10 हजार पैसेंजर कार यूनिट के मानक से अधिक है.

परियोजना में कुल 8.25 किलोमीटर लंबाई के तीन बायपास प्रस्तावित

- 1.80 किलोमीटर लंबा सूखी सेवनिया बायपास
- 1.35 किलोमीटर लंबा बेरखेड़ी बायपास
- 5.10 किलोमीटर लंबा सलामतपुर बायपास

> इन बायपास के निर्माण से आबादी वाले क्षेत्रों में वाहनों का दबाव कम होगा, सड़क दुर्घटनाओं की आशंका घटेगी और स्थानीय नागरिकों का आवागमन अधिक सुरक्षित होगा. यह मार्ग भोपाल-कानपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के लिए महत्वपूर्ण फीडर कॉरिडोर के रूप में भी कार्य करेगा. भोपाल-विदिशा सड़क यातायात के साथ धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है. इसके आसपास विश्व प्रसिद्ध सांची स्तूप, संग्रहालय, अशोक स्तंभ, उदयगिरि की गुफाएं और अनेक पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक स्थल मौजूद हैं. यह सड़क लगभग 24.550 किलोमीटर पर कर्क रेखा से भी गुजरता है, जिससे इसका विशेष भौगोलिक महत्व है. बेहतर सड़क संपर्क से भोपाल से विदिशा और सांची तक की यात्रा अधिक सुगम होगी तथा कम समय में पूरी की जा सकेगी. इससे पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ होटल, परिवहन, गाइड सेवा, हस्तशिल्प और स्थानीय कारोबार को प्रोत्साहन मिलेगा.

राज्य स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित

बारिश को देखते हुए नगरीय विकास विभाग की पहल

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 अगस्त. बारिश के मद्देनजर नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त नगरीय क्षेत्रों में सम्भावित प्राकृतिक एवं आकस्मिक आपदाओं से निपटने के लिए त्रिस्तरीय राज्य, संभाग एवं जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं.

नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा है कि अतिवृष्टि, जलभराव, बाढ़, जर्जर भवनों के धराशायी होने तथा वज्रपात जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है. यह कंट्रोल रूम अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से आपदा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित जल निकासी, प्रभावित नागरिकों के सुरक्षित विस्थापन तथा भोजन, शुद्ध पेयजल एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत जीवनरक्षक सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे. आपदा प्रबंधन व्यवस्था को व्यावहारिक रूप देते हुए जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों को चिन्हित कर समय रहते आवश्यक सुरक्षात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं.

राहत, बचाव कार्य संपादित करना अनिवार्य

आपदा प्रबंधन के कुशल क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग के लिए प्रत्येक जिले में जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी को जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का नोडल अधिकारी/प्रभारी नियुक्त किया गया है. जिले से संबंधित परियोजना अधिकारी जिला प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर अतिवृष्टि एवं जलभराव से प्रभावित नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराएंगे. आपदा की किसी भी स्थिति में न्यूनतम प्रतिक्रिया समय के साथ राहत एवं बचाव कार्य संपादित करना अनिवार्य होगा, जिससे शहरी क्षेत्रों में जनजीवन सामान्य बना रहे.

एक नजर में

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ की कोर कमेटी गठित

भोपाल. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भाजपा प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ की कोर कमेटी गठित कर दी है. इस टीम में दो मंत्री सहित 8 लोगों को शामिल किया गया है. टीम में विश्वास सारंग मंत्री सहकारिता विभाग, लखन पटेल मंत्री आनंद विभाग, शिवमंगल सिंह तोमर सांसद, रमाकांत भार्गव विधायक, महेन्द्र सिंह यादव प्रशासक अपेक्स बैंक, कैलाश सोनी पूर्व सांसद राज्यसभा, विवेक चतुर्वेदी संचालक नेशनल लेबर कोआपरेटिव फेडरेशन और किशन सिंह भटोल प्रदेश संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ को शामिल किया गया है.

अस्पताल में महिला स्टाफ से अभद्रता

धार. शहर स्थित लाइफ केयर हॉस्पिटल में रात के समय हंगामा करने, महिला स्टाफ के साथ अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है. पुलिस के अनुसार गुलमोहर कॉलोनी निवासी मोईन खान अपने दो साथियों के साथ रात में लाइफ केयर हॉस्पिटल पहुंचा था. आरोपियों ने अस्पताल संचालक डॉ. जमील शेख के केबिन में जबरन प्रवेश करने का प्रयास किया. रिसेप्शन पर मौजूद महिला स्टाफ ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो आरोपी कथित रूप से उसके साथ अभद्रता करने लगे.

नियुक्ति की आस में डीपीआई के सामने बैठे अभ्यर्थी

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 10 अगस्त. प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 (वर्ग 3) में अपनी योग्यता के दम पर मेरिट सूची में जगह बनाने वाले अभ्यर्थियों का भविष्य अब प्रशासनिक खींचतान में फंसा नजर आ रहा है.

- अभ्यर्थियों का प्रदर्शन लगातार जारी है
- प्रशासनिक खींचतान में फंसा अभ्यर्थियों भविष्य

चयन प्रक्रिया के अंतिम चरण में 25 अगस्त 2025 की एकतरफा कट-ऑफ तिथि तय कर अभ्यर्थियों को अपात्र घोषित किए जाने के विरोध में अभ्यर्थियों का प्रदर्शन लोक शिक्षण संचालनालय के सामने लगातार जारी है.

डीपीआई प्रबंधन ने मानी गलती

प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि डीपीआई आयुक्त से हुई बातचीत में प्रबंधन की तरफ से यह स्वीकार किया गया कि प्रक्रिया में उनसे गलतियां हुई हैं. इसके बावजूद अभ्यर्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए नियमों में सुधार करने से इनकार किया जा रहा है. जिसको लेकर अधिकारियों ने अभ्यर्थियों को बातचीत में तर्क दिया कि नियम में ढील देने पर आगे अयोग्य बच्चे भी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन पर बैठ जाएंगे. इस कारण नियमों में बदलाव संभव नहीं है. अभ्यर्थियों ने इस दलील को पूरी तरह से गैर-जिम्मेदाराना और बेतुका करार दिया है. उनका कहना है कि अपनी ही गलती को छिपाने के लिए मेरिट में आए योग्य युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है.

> **समानता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन**
>
> अभ्यर्थियों का तर्क है कि उन्होंने मूल नियमावली की व्यवस्था के तहत ही आवेदन किया था. परीक्षा उत्तीर्ण की और मेरिट में जगह बनाई। लेकिन अब भर्ती प्रक्रिया के बीच में नियमों में बदलाव करना और प्रशासनिक निर्देशों के आधार पर पुरानी शर्तों को कड़ा बनाना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के तहत मिले समानता और निष्पक्षता के अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। अंतिम चरण में इस तरह बाहर किए जाने से हजारों योग्य युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है और वे न्याय मिलने तक आंदोलन पर डटे रहने को मजबूर हैं।

अब बारिश से तरबतर हुआ मध्यप्रदेश

प्रदेश में फिर मजबूत हुआ मानसून, 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

नवभारत न्यूज

भोपाल, 10 अगस्त. मध्यप्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है. पिछले दो दिनों से प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार बारिश का दौर जारी है. मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के ऊपर सक्रिय शियर जोन और अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी से मिल रही नमी के कारण अधिकांश जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है.

मौसम विभाग ने प्रदेश के राजगढ़, अलीराजपुर, रतलाम, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, गुना, शिवपुरी, मुरैना और अशोकनगर जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में 64.5 से 115.5 मिलीमीटर तक बारिश होने का अनुमान है. उत्तर-पश्चिम मध्यप्रदेश में 3.1 से 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक बने चक्रवाती परिसंचरण और नमी वाली हवाओं के प्रभाव से प्रदेश में बारिश का सिलसिला बना हुआ है. पिछले 24 घंटे में राजधानी भोपाल सहित मध्य और पश्चिमी मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई.

> रतलाम, मंदसौर, नीमच और श्योपुरकलां जिलों में बहुत भारी बारिश हो सकती है. इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना भी जताई गई है. वहीं भोपाल, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, इंदौर, देवास, शाजापुर, गुना, शिवपुरी, छिंदवाड़ा, सागर और पांढुर्णा सहित कई जिलों में आकाशीय बिजली चमकने और तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है.

आपत्तिजनक, साम्प्रदायिक पोस्ट पर लगा प्रतिबंध

बुरहानपुर. जिले में लोक शांति, जनसामान्य के स्वास्थ्य एवं जानमाल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी हर्ष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है. जारी आदेश के अनुसार जिले की संपूर्ण सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक अथवा उत्तेजित करने वाली फोटो, चित्र और संदेश सोशल मीडिया के माध्यम से भेजने या फारवर्ड करने पर प्रतिबंध रहेगा. ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसे संदेश या पोस्ट प्रसारित करने की गतिविधि प्रतिबंधित की गई है.

कांग्रेस का संगठनात्मक पुनर्निर्माण तेज

विशेष संवाददाता

भोपाल, 10 अगस्त. मध्यप्रदेश कांग्रेस ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है. इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को छिंदवाड़ा में छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा जिला कांग्रेस कमेटियों के मंडलम, ब्लॉक एवं नगर अध्यक्षों के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन हिस्सा लिया.

कार्यक्रम को पूर्व सांसद नकुलनाथ, प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी और कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने भी संबोधित किया. प्रशिक्षण में कांग्रेस की विचारधारा, संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की गई.

जीतू पटवारी ने कहा कि संगठन का पुनर्निर्माण केवल पदाधिकारियों की नियुक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि पार्टी की विचारधारा, कार्यकर्ताओं और जनता के बीच मजबूत संबंध स्थापित करना इसका मूल उद्देश्य है. उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पदाधिकारियों को कांग्रेस की विचारधारा, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व की जिम्मेदारियों और जनसेवा की भूमिका से अवगत कराया जा रहा है. उन्होंने कहा, 'प्रशिक्षित कार्यकर्ता मजबूत संगठन की नींव होता है.

तीसरा दिन : बारिश में भी जारी रहा छात्रों का धरना

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 10 अगस्त. सालों से रुकी परीक्षाओं और नतीजों के इंतजार में भटक रहे नर्सिंग और पैरामेडिकल विद्यार्थियों का गुस्सा अब सड़कों पर नजर आ रहा है. परीक्षाओं का आयोजन न होने और नतीजे घोषित न किए जाने के विरोध में एनएसओ छात्र संगठन के नेतृत्व में विद्यार्थियों का प्रदर्शन रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा.

बारिश में बावजूद 60 से अधिक छात्र-छात्राएं फार्मेसी काउंसिल की इमारत के नीचे बैठकर अपने हक और न्याय की गुहार लगाते रहे. प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों का कहना है कि वर्ष 2020 से 2023 के बीच मान्यता प्राप्त कॉलेजों में प्रवेश लेने के बावजूद फर्जीवाड़े के अदालती मामलों के कारण कई संस्थान अपात्र घोषित कर दिए गए. इसका खामियाजा निर्दोष छात्रों को भुगतना पड़ रहा है.

मुख्य मांगें और चेतावनी

छात्रों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि रुकी हुई परीक्षाएं जल्द से जल्द कराई जाएं और अटके हुए परिणाम तुरंत घोषित किए जाएं, ताकि उनका कोर्स समय पर पूरा हो सके और वे रोजगार पाने के योग्य बन सकें. इसके साथ ही नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों को क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों से हटाकर दोबारा जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध करने की मांग उठाई गई है, जिससे डिग्रियों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता बनी रहे.

विद्यार्थियों ने सुनाया हाल

6 साल हो रहे हैं, केवल दो साल तक की परीक्षाएं हुई हैं. उसके बाद न परीक्षा हुई, न ही रिजल्ट घोषित हुआ है. ऐसे में हमें भविष्य और करियर की चिंता सता रही है.

-संध्या बरसे, विद्यार्थी

लोन लेकर नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की थी, लगा था नौकरी लेकर घर को संभालूंगा. लेकिन अब तो केवल डिग्री ही पूरी कर लूं, काफी है. भविष्य संकट में नजर आता है.

-आदित्य मालवीय, विद्यार्थी

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में हाथी स्मिता की मौत

होशंगाबाद. सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में आपसी संघर्ष की एक घटना में मादा हाथी स्मिता की मौत हो गई. सूत्रों के अनुसार विभाग के ही नर हाथी कृष्णा ने 09 अगस्त की रात स्मिता पर जानलेवा हमला किया था. हमले में घायल स्मिता की सोमवार शाम करीब पांच बजे तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई. हाथी महावतों ने 10 अगस्त की सुबह हाथियों को जंगल से वापस लाने के दौरान स्मिता के शरीर पर गंभीर चोट के निशान देखे. घाव अधिक गहरा होने पर वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी को सूचना दी गई. बताया गया है कि संबंधित अधिकारी शासकीय कार्य से बाहर थे और उनके पहुंचने से पहले ही स्मिता की हालत बिगड़ गई तथा उसकी मौत हो गई.

ट्रेनों में चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

2.43 लाख का माल बरामद

इंदौर, 10 अगस्त. ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी करने वाले तीन आरोपियों को जीआरपी ने नीमच और उज्जैन से गिरफ्तार किया है. आरोपियों से 11 मोबाइल, एक टैबलेट और आठ हजार रुपए नकद समेत करीब 2.43 लाख रुपए का माल बरामद किया गया है.

नीमच में जीआरपी-आरपीएफ ने स्टेशन के पास से पिपलियामंडी निवासी भगवती प्रसाद व्यास उम्र 42 साल को पकड़ा. उसके पास से नौ मोबाइल और एक टैबलेट मिले, जिनकी कीमत 1.88 लाख रुपए से अधिक है. आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी के मामले दर्ज हैं. वहीं उज्जैन में जयपुर एक्सप्रेस के एसी कोच से महिला यात्री का ट्रॉली बैग चोरी करने के मामले में राउरकेला, ओडिशा निवासी बरकत हुसैन उम्र 49 साल और अब्दुल मन्नान उम्र 55 साल को गिरफ्तार किया है. नागदा आउटर से पकड़े गए दोनों आरोपियों से दो मोबाइल और आठ हजार रुपए बरामद हुए. बरामद माल की कीमत करीब 55 हजार रुपए है. पूछताछ में उन्होंने चोरी का बैग बेचकर रकम बांटने की बात स्वीकार की.

यात्रियों से रेल प्रशासन का अनुरोध...

ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर जीआरपी लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही है. पिछले एक सप्ताह में अलग-अलग मामलों में 10 मोबाइल फोन बरामद किए हैं. यात्रियों से भी अपील है कि यात्रा के दौरान अपने सामान और मोबाइल को लेकर सतर्क रहें. **-यशपाल सिंह राजपूत,** एसपी रेल, इंदौर

पेज तीन के शेष

तीन राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल गठित होगी

जल्द ही पुलिस बैंड उपलब्ध होगा: डीजीपी... पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि सब इंस्पेक्टर और सूबेदार के पदों पर भर्ती के लिए 2025 में नए नियम तैयार किए गए. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 7500 नए पदों पर भर्ती प्रक्रिया को मंजूरी प्रदान की है. 2025 में मंजूर किए गए सिपाही, सूबेदार और सब इंस्पेक्टर पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हो रही है. इस वर्ष 9662 विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए स्वीकृति मिली है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मप्र की धरती से नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने में पुलिस विभाग की हॉक फोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. प्रदेश की हॉक फोर्स में 325 पद और विशेष सहयोगी दस्ते में भी 882 पदों पर भर्ती की गई है. पुलिस विभाग में अनुशासन का बड़ा महत्व है. परेड से अनुशासन बढ़ता है. इसके लिए बैंड दस्ते में भर्ती प्रक्रिया चल रही है.

गुजरात के निवेशकों को मप्र आमंत्रित करेंगे सीएम

के उद्योग जगत को आमंत्रित भी करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव अहमदाबाद प्रवास के दौरान गुजरात के प्रमुख औद्योगिक समूहों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठकें करेंगे. मुख्यमंत्री अरविंद लिमिटेड, टोरेंट पॉवर तथा अडानी ग्रुप के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे। इन बैठकों में वस्त्र, ऊर्जा, अधोसंरचना, विनिर्माण और औद्योगिक विस्तार के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श होगा. हरी कृष्णा एक्सपोर्ट के चेयरमैन ढोलकिया, चिरिपाल समूह के चेयरमैन बृजमोहन चिरिपाल और अग्रवाल ग्रुप के चेयरमैन चिमन भाई शाह के साथ भी व्यक्तिगत बैठकें करेंगे.

रोचक तथ्य | पहली बार आईजी मिथलेश शुक्ला की सेवानिवृत्ति के बाद बनेगी ऐसी स्थिति

31 के बाद आईजी नहीं होगा एसपीएस कोटे का कोई चेहरा

नवभारत न्यूज

भोपाल, 10 अगस्त. मध्यप्रदेश पुलिस के इतिहास में पहली बार ऐसी स्थिति बनने जा रही है, जब राज्य पुलिस सेवा (एसपीएस) से पदोन्नत होकर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में आए किसी अधिकारी के पास पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) का पद नहीं रहेगा.

2006 बैच के आईपीएस अधिकारी और सागर जोन के आईजी मिथिलेश कुमार शुक्ला के 31 अगस्त को सेवानिवृत्त होने के बाद सितंबर से दिसंबर 2026 तक करीब 122 दिनों के लिए आईजी स्तर पर एसपीएस कोटे का प्रतिनिधित्व खत्म हो जाएगा. वर्ष 2026 की शुरुआत में ऐसे पांच अधिकारी आईजी स्तर पर पदस्थ थे. इनमें 2004 बैच के संजय तिवारी व 2006 बैच के हिमानी खन्ना, अंशुमान सिंह और अरविंद सक्सेना सेवानिवृत्त हो चुके हैं. अब शुक्ला के रिटायर होने के बाद इस श्रेणी का कोई अधिकारी आईजी नहीं रहेगा.

शुक्ला की सेवानिवृत्ति के बाद प्रदेश में आईजी स्तर के अधिकारियों की संख्या घटकर 16 रह जाएगी. इनमें 1999 बैच के निरंजन ब्यांगकर सबसे वरिष्ठ होंगे. इसके अलावा 2002 बैच के अभय सिंह, 2003 बैच के हरिनारायणाचारी मिश्र व अनुराग, 2004 बैच के गौरव राजपूत, इरशाद वली व सुशांत सक्सेना तथा 2005 बैच के डॉ. आशीष समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं. अधिकारियों के अनुसार जनवरी 2027 में प्रस्तावित पदोन्नति प्रक्रिया के बाद एसपीएस से आईपीएस बने वरिष्ठ अधिकारियों को आईजी पद पर पदोन्नति मिल सकती है. इससे चार महीने का यह अंतर समाप्त हो जाएगा.

अगस्त में 4 वरिष्ठ आईपीएस होंगे सेवानिवृत्त

अगस्त के अंत में प्रदेश पुलिस के चार वरिष्ठ अधिकारी सेवानिवृत्त होंगे. इनमें 1989 बैच के अजय कुमार शर्मा, 1994 बैच के विशेष पुलिस महानिदेशक आशुतोष राय, 1995 बैच के एडीजी एवं खुफिया शाखा प्रमुख ए. साई मनोहर और 2006 बैच के आईजी मिथिलेश शुक्ला शामिल हैं. इस साल कुल 16 आईपीएस अधिकारियों की सेवानिवृत्ति प्रस्तावित है, जिनमें 11 अब तक रिटायर हो चुके हैं. शर्मा के रिटायर होने के बाद पुलिस आवास निगम में नई पदस्थापना की संभावना है. वहीं साई मनोहर की सेवानिवृत्ति के बाद खुफिया शाखा का पद तत्काल भरे जाने की उम्मीद है, ताकि यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी एक दिन के लिए भी खाली न रहे.